ननि कार्यालय के निकट टेंट डेकोरेशन गोदाम में भड़की भीषण आग

सामान जलकर खाक, कुछ वाहन भी चपेट में आए, घंटे भर बाद दमकल ने आग पर पाया काबू

नवभारत न्यूज

सतना 16 मार्च. अग्नि दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले सामान से भरे गोदामों में आग लगने की घटना अब तक शहर के कुछ रिहायशी क्षेत्र में ही देखने को मिल रही थी. लेकिन रिहायशी बस्ती के बीच मौजूद इस तरह के गोदामों में लगने वाली आग की लपटें सोमवार को नगर निगम कार्यालय तक भी पहुंचती नजर आने लगीं.

निगमायुक्त-स्पीकर भी पहुंचे

ननि कार्यालय से कुछ दूरी पर स्थित टेंट डेकोरेशन गोदाम में भीषण आग लगने की जानकारी मिलने पर निगमायुक्त शेर सिंह मीणा और परिषद अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी सहित ननि के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंच गए. इसी कड़ी में विंध्य चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा भी मौके पर पहुंच गए और प्रतिष्ठान संचालक का ढांढस बंधाया. संचालक के अनुसार आग लगने के कारण उनका लगभग 8 लाख रु का सामान नष्ट हो गया. वहीं आग लगने के पीछे का कारण स्पष्ट तौर पर सामने नहीं आ पाया.

हलांकि इस तरह की भीषण अग्नि दुर्घटना निगम प्रशासन के जिम्मेदारों के सामने हुई, लेकिन इसके बावजूद भी अधिकांश लोगों का यही मानना है कि इस बार भी समूची कवायद महज नोटिस जारी करने से आगे नहीं बढ़ सकेगी.

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम कार्यालय से चंद कदमों की दूरी पर कलकत्ता फ लावर डेकोरेशन नामक प्रतिष्ठान स्थित है. इस प्रतिष्ठान के पीछे ही संचालक का गोदाम भी मौजूद है. जिसमें शादी-विवाह सहित अन्य सभी प्रकार के आयोजनों में इस्तेमाल होने वाले सजावट के सामान का भरी-भरकम स्टॉक रखा होता है. कलकत्ता फ्लावर डेकोरेशन के संचालक शिव बंगाली से मिली जानकारी के अनुसार हर रोज की तरह सोमवार को भी दुकान और गोदाम में कर्मचारी मौजूद थे. कर्मचारी दोपहर के समय अपना भोजन करके निकले ही थे कि लगभग ढाई बजे अचानक काले धुएं का गुबार उठने लगा. यह देख पहले तो किसी को कुछ समझ ही नहीं आया. लेकिन गोदाम से उठ रहे काले धुएं के बीच जबरदस्ज आग भी उठती नजर आने लगी. यह देखते ही उक्त क्षेत्र के रहवासियों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति मच गई. आनन-फानन में ननि की अग्निशमन शाखा को सूचना दी गई. जिसके चलते दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे फायर फाइटर्स ने आग पर पानी की बौछार करनी शुरु कर दी. लेकिन तब तक गोदाम में आग इस कदर भड़क चुकी थी कि दमकल वाहनों से मारी जाने वाली पानी की बौछारों का कोई असर होता नजर नहीं आया. देखते ही देखते आगे का दायरा बढ़ने लगा और पास में खड़ी एक कार और एक मोटरसाइकिल को भी अपनी चपेट में ले लिया. गोदाम सहित आस पास मौजूद सामान भी भीषण आग की चपेट में आकर पटाखे की तरह फूटने लगे. जिसके चलते आस पास मौजूद घरों के रहवासियों के बीच दहशत फैल गई. कुछ घर के रहवासी तो अपने-अपने घरों में मौजूद कीमती सामान को बाहर निकालकर दूर करना भी शुरु कर दिया. इन लोगों द्वारा सबसे पहले घरों में मौजूद एलपीजी सिलेंडरों को दूर हटाया गया. ननि के 10 दमकलों की मौजूदगी में दर्जन भर से अधिक फायर फाइटर्स द्वारा लगभग घंटे भर तक कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर किसी तरह काबू पा लिया गया. जिसके चलते सर्किट हाउस चौक से लेकर मुख्त्यारगंज तक के क्षेत्र में राहत की सांस ली जाने लगी. आग की विकरालता इस बात की भी तस्दीक करती नजर आई कि गोदाम में ज्वलनशील सामान का जखीरा मौजूद रहा होगा.

फिर जारी होगी नोटिस

लकड़ी की टाल, रुई, टायर, रबर, इलेक्ट्रानिक्स और प्लास्टिक समेत अन्य ज्वलनशील सामानों से पटे गोदाम शहर के कई रिहायशी क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से संचालित होते हुए व्यवस्था को मुंह चिढ़ाते आ रहे हैं. इनमें से अधिकांश के पास न तो अग्नि शमन अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध है और न ही अग्नि दुर्घटना से बचाव के लिए किसी तरह के साधन. इनमें से कुछ प्रतिष्ठानों में भीषण अग्नि दुर्घटना के मामले सामने भी आ चुके हैं. लेकिन इसके बावजूद भी ननि की समूची कवायद नोटिस जारी करने और कुछ मामलों में अर्थदण्ड वसूलने से आगे नहीं बढ़ सकी है. लिहाजा ताजा मामले में भी माना जा रहा है कि ननि की अग्निशमन शाखा द्वारा जांच करने के बाद नोटिस जारी कर दी जाएगी. रही बात अर्थदण्ड वसूलने की तो संभवत: बचाव में वे लोग भी सामने आ जाएंगे, जो ढांढस बंधाने के लिए मौके पर पहुंचे थे.

ड्यूटी के दौरान एएसआई को आया हार्ट अटैक, मौत

▸ चार माह बाद होने वाले थे सेवानिवृत्त

नवभारत न्यूज

सतना, 16 मार्च. जिले के सभापुर थाने में पदस्थ 62 वर्षीय एएसआई प्रभुनाथ तिवारी का ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आने के बाद रात करीब 2:30 बजे अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए रीवा ले जाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एएसआई प्रभुनाथ तिवारी रविवार शाम सभापुर थाने में अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान उन्हें अचानक बेचैनी के साथ सीने में हल्का दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद वह खुद अपनी बाइक चलाकर अपने कमरे पर चले गए।

कमरे पर पहुंचने के बाद परिजनों ने उनकी स्थिति देखकर उन्हें सतना के आयुष्मान हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान रात लगभग ढाई बजे उनका निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, उनका पहले से भी हार्ट का इलाज चल रहा था। परिजन उनकी पार्थिव देह को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह ग्राम कोनी ले गए हैं, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जुलाई में होने वाला था रिटायरमेंट

सोमवार सुबह उनके निधन की खबर मिलने पर पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सभापुर टीआई शंखधर द्विवेदी ने दु:ख व्यक्त करते हुए बताया कि एएसआई प्रभुनाथ तिवारी का 4 माह बाद जुलाई में रिटायरमेंट होना था।

एयरफोर्स और बिहार में शिक्षक हैं बेटे

दिवंगत एएसआई तिवारी मूलत: रीवा जिले के कोनी गांव के रहने वाले थे और बिरसिंहपुर में अपनी पत्नी के साथ किराए के कमरे में रहते थे। उनके दो बेटे हैं, जिनमें बड़ा बेटा एयरफोर्स में अपनी सेवाएं दे रहा है और छोटा बेटा बिहार में शिक्षक है।

अड़ीबाजी के आरोप में 3 धराए

नवभारत न्यूज

सतना 16 मार्च. मारपीट कर डराते-धमकाते हुए अड़ीबाजी की दो घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

कोठी थाना प्रभारी संतोष तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात के समय रास्ते से गुजर रहे फरियादी को रोककर मारपीट करते हुए डरा धमकाकर अड़ीबाजी किए जाने की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा आरोपी संजीत वर्मा पिता अयोध्या उम्र 24 वर्ष और सचिन वर्मा पिता सुरेश उम्र 22 वर्ष दोनों निवासी कठवरिया को गिरफ्तार कर लिया गया. इसी कड़ी में गली गलौच मारपीट और अड़ीबाजी करने की एक अन्य घटना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विक्रम सिंह पिता दिनेश उम्र 24 वर्ष निवासी इटमा को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया.

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

बेला के केमार गांव के पास हादसा

नवभारत न्यूज

सतना, 16 मार्च. जिले रामपुर बघेलान थाने की बेला चौकी अंतर्गत ग्राम केमार के समीप सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सुबह करीब 9 बजे एक बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रीवा जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र स्थित ग्राम दूबी निवासी विश्वनाथ सोंधिया अपनी बाइक से जा रहे थे। बेला पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम केमार के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से उनकी बाइक पीछे से टकरा गई।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। 108 एंबुलेंस की मदद से घायल विश्वनाथ सोंधिया को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बेला पुलिस फिलहाल इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गाइड लाइन पर सुझाव प्रस्तुत करने का आज अंतिम दिन

सतना 16 मार्च. जिला पंजीयक एवं जिला मूल्यांकन समिति सतना द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित गाइडलाइन दरों के संबंध में आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि में वृद्धि कर दी गई है। जिला पंजीयक डॉ. कीर्ति सिंह बघेल ने बताया कि पूर्व में यह तिथि 10 मार्च 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 17 मार्च 2026 कर दिया गया है। इच्छुक नागरिक, संस्थाएं तथा संबंधित पक्ष कार्यालयीन समय में अपने आपत्ति एवं सुझाव 17 मार्च 2026 को शाम 5.30 बजे तक जिला पंजीयक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

अमरपाटन कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर ने की छात्रों से अभद्रता

सेशनल कॉपी न लेने पर स्टूडेंट्स बिफरे, प्रोफेसर पर बदतमीजी का आरोप

नवभारत न्यूज

सतना, 16 मार्च. मैहर जिले के शासकीय महाविद्यालय अमरपाटन में सोमवार को छात्रों और सहायक प्राध्यापक के बीच जमकर विवाद हुआ।

रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. आलोक सिन्हा पर छात्राओं ने बदतमीजी करने और सेशनल कॉपी जमा न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विवाद इतना बढ़ गया कि प्रोफेसर और छात्राओं के बीच तीखी बहस हुई, जिससे कॉलेज परिसर में हंगामा हो गया। केमिस्ट्री विभाग की छात्राओं का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से अपनी सेशनल कॉपी जमा करने के लिए विभाग के चक्कर लगा रही थीं। हालांकि, डॉ. आलोक सिन्हा उनकी बात सुनने को तैयार नहीं थे। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि प्रोफेसर ने उनके साथ अभद्रता की और उन्हें विभाग से भगा दिया। इस परेशानी के चलते छात्राओं ने दो दिन पहले एसडीएम अमरपाटन को लिखित शिकायत भी सौंपी थी।

सोमवार को छात्राएं अपने परिजनों के साथ दोबारा कॉलेज पहुंचीं। आरोप है कि छात्राओं को देखते ही डॉ. सिन्हा ने विभाग का ताला बंद कर दिया और वहां से जाने लगे। जब छात्राओं और उनके परिजनों ने उन्हें रास्ते में रोका, तो प्रोफेसर बहस करने लगे और सेशनल कॉपी जमा न करने की अपनी जिद पर अड़े रहे। इस दौरान छात्राओं ने उन्हें फटकार लगाई और काफी देर तक हंगामा चलता रहा। वायरल वीडियो में डॉ. आलोक सिन्हा यह कहते हुए भी नजर आ रहे हैं कि जहां शिकायत करनी है कर दो, कुछ नहीं होगा।

प्राचार्य के कहने पर भी नहीं माने प्रोफेसर

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार वर्मा भी मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया। उन्होंने डॉ. सिन्हा को छात्राओं की कॉपियां जमा करने के निर्देश दिए, लेकिन सहायक प्राध्यापक अपनी जिद पर अड़े रहे। प्राचार्य की मौजूदगी में भी प्रोफेसर और परिजनों के बीच तीखी बहस जारी रही, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्राचार्य ने कहा पहले भी मिल चुकी हैं शिकायतें

इस पूरे मामले पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके वर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। मैं भी मौके पर मौजूद था। सहायक प्राध्यापक डॉ. आलोक सिन्हा के खिलाफ छात्र-छात्राओं ने पहले भी शिकायतें की हैं। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

व्यवसायिक कॉम्पलेक्स, मैहर में रुके गरीब रथ , वंदे भारत भी मांगी

नवभारत न्यूज

सतना, 16 मार्च. लोकसभा के सत्र के दौरान सतना संसदीय क्षेत्र के सांसद गणेश सिंह ने सोमवार को सदन में 22 मिनट तक लगातार अपनी बात रखी।

उन्होंने भारतीय रेलवे की आय, खर्च, प्रस्तावित परियोजनाओं और रेल हादसों में कमी पर विस्तार से चर्चा की। कांग्रेस सांसदों द्वारा रेलवे पर उठाए गए सवालों का उन्होंने आड़े हाथों लिया और बार-बार नाम लेकर पूछा- आप सुन रहे हैं न...? यूपीए सरकार और एनडीए सरकार में रेलवे की प्रगति में कितना अंतर आया है और 2014 के बाद रेल हादसों में कितनी कमी आई है...? सब पर सांसद ने विस्तार से जानकारी दी । सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री से सतना व पूरे विंध्य-बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए कई ठोस मांगें रखीं। खासतौर पर सतना लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को उन्होंने प्रमुखता दी। अपने भाषण के अंत में सांसद गणेश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री को भारतीय रेलवे की अभूतपूर्व प्रगति के लिए धन्यवाद दिया।

वर्ल्ड क्लास सतना रेलवे की प्रगति धीमी

सांसद गणेश सिंह ने सदन में बताया कि सतना रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने का कार्य प्रगति पर है, लेकिन रफ्तार बेहद धीमी है। इसपर रेलमंत्री ध्यान दें और कार्य को गति देने के निर्देश दें ।

वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट अनिवार्य

नवभारत न्यूज

सतना 16 मार्च. जिले में वाहनों में एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) लगाने को लेकर परिवहन विभाग ने निर्देश जारी किए हैं।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सतना द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों तथा केंद्रीय मोटरयान अधिनियम 1989 के नियम 50 के अनुसार सभी वाहनों में एचएसआरपी लगाना अनिवार्य है। जारी आदेश के अनुसार 1 अप्रैल 2019 के बाद निर्मित वाहनों में एचएसआरपी पहले से लगी होती है, जबकि उससे पहले के वाहनों में वाहन मालिकों को अधिकृत एजेंसियों या एसआईएएम के माध्यम से एचएसआरपी लगवाना होगा। परिवहन विभाग ने बताया कि कई वाहन मालिकों द्वारा अभी तक एचएसआरपी नहीं लगवाई गई है, जिससे वाहन संबंधी कार्यों में परेशानी आ रही है। इस स्थिति को देखते हुए जिले के सभी वाहन डीलरों को निर्देशित किया गया है कि आवेदन प्राप्त होने के 3 दिनों के भीतर वाहन में एचएसआरपी लगाकर पोर्टल पर अपडेट करें।

एक नजर में

स्वामी पूर्णानंद स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

सतना। शहर के स्वामी जी मैदान में आयोजित स्वर्गीय स्वामी पूर्णानंद स्मृति ओपेन नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का बीती रात भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले और समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक और सनातनी सेवक पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवाने सैकड़ों युवाओं के साथ पुष्प वर्षा कर मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया।

महापौर ने पहलवानों का बढ़ाया उत्साह

सतना. महापौर योगेश ताम्रकार ने कलेक्ट्रेट के पीछे आयोजित महिला एवं पुरुष दंगल प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर पारंपरिक कुश्ती के रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया। पहलवानों का अदम्य साहस, परिश्रम और खेल भावना देखकर मन गर्व और उत्साह से भर उठा। दंगल जैसे आयोजन हमारी समृद्ध भारतीय परंपरा, संस्कृति और युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर एशिया के सबसे लंबे व्यक्ति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह से आत्मीय भेंट कर उनसे संवाद करने का अवसर भी मिला।

पानी के लिए जिले की जनता को 100 मीटर से अधिक भटकना नहीं पड़ेगा

जिला पंचायत में आयोजित हुई पेयजल की समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज

सतना, 16 मार्च. ग्रामीण क्षेत्र की आबादी बस्तियों में पेयजल आपूर्ति के लिए वहां के रहवासियों को 100 मीटर से दूर पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा। ऐसा निर्णय जिला पंचायत सतना में अपोजित हुई पेयजल समीक्षा बैठक में लिया गया है।

तय किया गया है कि एक जल स्त्रोत से दूसरे जल स्त्रोत की दूरी 200 मीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। राइजर पाइप की अनुपलब्धता की स्थिति में पेय जल संकट से निपटने के लिए ऐसे हैण्डपम्पों के पाइप निकालकर उपयोग में लिए जायेगे जिनका भू-जल स्तर 35 मीटर से नीचे है। 35 मीटर से 150 मीटर तक के भू-जल स्तर पर सिंगल फेज मोटर डाले जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में समीक्षा के दौरान आशंका जताई गई है कि बीते वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष पेयजल की समस्या ज्यादा रह सकती है। इसलिए योजना बद्?ध तरीके में समय रहते उपलब्ध संसाधनों का रखरखाव व उपयोग किया जाये । बैठक में बताया गया कि विगत वर्ष पेयजल संकट से निपटने के लिए 42000 मीटर राइजर पाइप की मांग शासन से की गई थी, जिसमे में 60 फीसद यानी 24000 मीटर पाइप ही मिल पाए थे। इस वर्ष जल संकट की आहट को देखते हुए 60000 मीटर पाइप की मांग शामन को भेजी गई है। इसी प्रकार विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष सिंगल फेज मोटर की डिमाण्ड दो गुनी भेजी गई है। जो कि 175 से 350 की गई है।

हैण्डपम्प की बनानी होगी प्रोफाइल

जिले में किसी भी हैण्डपम्प का मरम्मतीकरण के पहले मैकेनिक के द्वारा उस हैण्डपम्प का निर्धारित प्रारूप में प्रोफाइल तैयार करने कहा गया है। इसमें बोर की गहराई, पानी की उपलब्धता, राइजर पाइप की संख्या, पाइप की गुणवत्ता, जल स्रोत की स्थिति (बंद/चालू) और यदि न बन सकने की स्थिति में है तब उसके नजदीक अन्य हैण्डपम्प या जल स्रोत की लोकेशन के साथ दूरी शामिल रहेगा । इसी प्रकार सिंगल फेज मोटर वितरण की दशा में भी प्रोफाइल तैयार की जायेगी। इन्ही प्रोफाइल प्रारूप में हैण्डपम्प सुधार का पंचनामा तैयार कर मरम्मतीकरण की जानकारी सम्बंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को उपलब्ध कराई जाएगी। पेयजल समीक्षा के लिए जारी किये गए एजेण्डा पर विभाग द्वारा दी गई जानकारियों में त्रुटियां थी । इस पर सभापति ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू ने नराजगी व्यक्त की।